A registered Political Party
ECI Registration No. 56/89/2011/PPS-I

मैं ही भारत रोआक् घोषणापत्र

डॉ. सुबोध चंद्र रॉय
एम.एससी., पीएच.डी., एलएल.बी.
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत, अर्थात इंडिया, आबोनगे स्वतन्त्र, सार्वभौम, आर लोकतान्त्रिक देसोम बोलोग कान। लोकतन्त्रोक् मेन सिद्धान्त होलोक् बहुसंख्यक कोवाक् इच्छा अनुसार शासन चालाना, ओकोय कोवाक् इच्छा पूराओक् जरुरी काना। जोदि आबोन भारत् नुतुन् ते चालाक् लोकतन्त्र मानोक् खान, तोबे एखान जेनोक् गे घटित् ओक्आ ओना बहुसंख्यक कोवाक् इच्छाक् साक्षात् अभिव्यक्ति हिसाब् ते मानोक् चाहीय। एनेते, लाखो लाखो होड़ोक् को जोंनोक्, अपढ़ता, बेकारी आर बेमारी ते पीड़ित् गेया, राज्योक् मनमानी आर स्वेच्छाचारी काम काजी कानूनोक् अधिकार ते ढांकाओक् कान, आर समाजोक् हरेक् स्तर रे व्याप्त, व्यापक, स्थानीय भ्रष्टाचार—ओना सोबे आबोनोक् पूरा, निरुत्तर मौन मांगोक् कान। कारण, जोदि लोकतन्त्रोक् ओना नाटक रे किछु सत्यता थाहेना,

तोबे ओना सोबे घृणित् वास्तविकता आबोनोक् स्पष्ट, सामूहिक सहमति बिना थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ।

जेलेका बाबुज होड़ोक् आपनार होड़मोक् जोगाओक् ए, ओनका गे किसन को पूरा देसोम जोगाओक् कोआ। इनेते किसन कोवाक् गोड़ोक् "देसोम् रेन बाबु" नुतुम ते बोहोत् उचित् काना। दाड़ेयाक् खानोक्, जोखन आबोन लाखो लाखो किसन को जोंनोक् आर उधार ते सुसाइड् को होयोक् कान ओनाक् भयानक हकीकत् ते साम्नाओक् मे, तोबे ओना कथिथ लोकतान्त्रिक भारत् आपनार पूरा बेइज्जती नुतुन् ते ओकोय जागाह रे लुकाओक् ए? ओनाक् साफ विरोधाभास सिरिफ् एकटाक् कारण दाड़ेयाक् आ: लोकतन्त्रोक् नुतुन् ते, ए देसोम् रेन होड़ोक् को लगातार, घृणित् नाटक ते साम्नाओक् कोआ।

मेन मुद्दा ते बात् काजी आगू ते पाहिले, भ्रष्टाचारोक् व्यापक समस्या ते विचार चालाओक् लागीत्। जनता हरेक् किमत ते ओनाक् खात्मा लागीत् को रागाओक् आ, ओना देसोम् तरोक्की रे मेन रुकावट् बोलोग ते को बोलोग आ। देसोम् बाहरे ते बेकायदे ते भेजाओक् कान अरबों रुपया वापस लागीत् मांग् होयोक् कान। दाड़ेयाक् खानोक् एखान एकटाक् जरुरी सवाल उथ्नाओक् आ: ओनाक् मतलब् काना कि ए देसोम् रेन बहुसंख्यक स्वाभाविक रूप ते बेईमान् गेया? आर किचेक् ते ओना लेखा सिस्टम एकटाक् कथिथ लोकतन्त्र भितर् रे थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ? ओना लेखा बोड़ोक् राशी स्थापित कानूनी माध्यम ते चालाक् बिना बाहरे ते को भेजाओक् दाड़ेयाक् आ, ओनाक् मतलब् काना कि ए लुट् लागीत् बहुसंख्यक कोवाक् मौन सहमति गे थाहेना। एटाक् कथा काना कि एकटाक् चुआक् घड़ा जोलोक् बोन्दोक् दाड़ेयाक् आ, दाड़ेयाक् खानोक् आबोन ठीक ओना लेखा घड़ा रे जोलोक् को गाल्वाक् आ। ओना नुक्सदार सिस्टम मरामत् या बदलाओक् ते इनकार् काते, आबोन लगातार, व्यापक बर्बादी गारंटी को होयोक् आ।

दाड़ेयाक् खानोक् जेलेका नुन् ते नुन्ताक् को बाहरे ते को काड् दाड़ेयाक् आ, ओनका गे ए देसोम् ते भ्रष्टाचार को खात्मा दाड़ेयाक् आ। ओनाक् कारण काना कि बेइन्साफी ए राज्योक् मेन बुनियाद् बनाओक् आ। ओना बुझ्ना लागीत्, आबोन ओना नियम आर कानूनोक् असल मकसद ते जाँच चालाओक् चाहीय जे आबोन "कानून" बोलोग आ। सदियों ते, ब्रिटिश ए धरती ते एकटाक् सिरिफ् मकसद ते राज् चालाओ केद्: ओनाक् संसाधनोक् बेरोक् शोषण आर लूट्। जेलेका होड़मोक् अंग् को बंद् काते होरोक् को बाहरे ते को काड् ओनाक् आसान् होयोक् आ, ओनका गे भारतवर्ष रेन होड़ोक् को बहुत कानून ते को बंद् केद् कोआ। ओना कानून को वास्तविक रूप तें ब्रिटिश साम्राज्य रेन् गुलाम रे को बदल केद् कोआ।

ओना जुल्म बाऊजुद्, बोहोत होड़ोक् स्वतन्त्रताक् सपना को दोहो केद्, अकथनीय यातना को सहो केद्, फाँसी ते मौत सहित्। औपनिवेशिक शासक को पंजाब रे जलिआँवाला बाग् रे लाखो निहत्था, बेकसूर मर्द, औरत, आर बाच्चा कोवाक् कत्लेआम रे किछु पश्तावा को बाङ देखाओ केद्, एकटाक् कत्लेआम जो अन्धाधुन्ध गोळीबारी ते होयो केद्। आबोन को बोलोग केद् कि ओना भयानक काम पूरा "स्थापित कानूनी प्रक्रिया अनुसार" होयो केद्। ओना याद् दोहो जरुरी काना कि ओना "कानून" को ब्रिटिश संसद ते ए धरती रेन होड़ोक् कोवाक् मन ते स्वतन्त्रता आर आजादी रोक् लागीत् स्पष्ट इरादा ते बणाओ केद्।

लाखो किताब् को बोलोग आ कि 15 अगस्त, 1947 रे, "इंडिया" नुतुम ते जानाजानाक् क्षेत्र एकटाक् स्वतन्त्र देसोम बोलोग ते उथ्नाओ केद्, साडे सत्कार्योग्य स्वतन्त्रता सेनानी कोवाक् सपना को पूराओक् काते। दाड़ेयाक् खानोक्, एकटाक् ढेर् नजर ते देखाओक् आ कि ओना दिन, बोहोत आर ब्रिटिश कानून लेखा, सिरिफ् आर एकटाक् एक्ट—"इंडियन इन्डिपेन्डेंस एक्ट, 1947"—लागू होयो केद्। जोखन पुछ्ना होयोक् आ, लगभग कोनो होड़ोक् ए एक्ट नुतुन् ते को बाङ देखाओ केद्। उनि सिरिफ् अखबार

रे को पड़ो केद् या रेडियो ते को साञ्जोम केद् कि ओना दिन देसोम् "स्वतन्त्र" होयो केद्।

असल रे, ए एक्ट "इंडिया" नुतुन् ते एकटाक् स्वतन्त्र देसोम स्थापित बाङ केद्। "इंडिया" रेन् साबेक् ब्रिटिश क्षेत्र भितर् रे, ए एक्ट सिरिफ् दो "नोवा डोमिनियन" को बणाओ केद्: "इंडिया" आर "पाकिस्तान"। जेखान पाहिले एकटाक् उपनिवेश्, "इंडिया" थाहेना, ओना सिरिफ् दो हिस्सा रे को बोंडो केद्—वास्तव रे प्रशासनिक सुविधा लागीत् दो उपनिवेश् को बणाओ केद्, कानूनी भासा रे "नोवा डोमिनियन" बोलोग ते को बोलोग आ। महत्वपूर्ण रूप ते, ए एक्ट रे एटाक् डोमिनियन रेन् कार्यकारी मुखी—गवर्नर-जनरल—चुननेक् शक्ति सम्बन्धित डोमिनियन रेन होड़ोक् को लागीत् बाङ थाहेना बोलोग ते को बोलोग आ। ओनाक् बदला रे, ब्रिटिश बादशाह गवर्नर-जनरल नियुक्त केद्, जेलेका इंडियन इन्डिपेन्डेंस एक्ट, 1947 रेन् धारा 5 रे स्पष्ट रूप ते बोलोग केद्।

ओना एकटाक् आश्चर्यजनक तथ्य काना कि जोखन ए एक्ट "इंडियन इन्डिपेन्डेंस एक्ट" नुतुम ते जानाजानाक् आ, "इन्डिपेन्डेंस" शब्द खुद ओनाक् पाठ रे कितेओ बाङ देखाओक् आ। एक साल पाहिले, 1946 रे, ब्रिटिश सरकार डोमिनियन लागीत् एकटाक् संविधान बणाओक् लागीत् संविधान सभा स्थापित केद्। ओना याद् दोहो बोहोत जरुरी काना कि ए संविधान सभा रेन कोनो सदस्य "इंडिया रेन नागरिक" बाङ को थाहेना। "इंडिया रेन नागरिक" शब्द पाहिले "इंडिया रा संविधान" रे देखाओ केद्, जो 26 जनवरी, 1950 रे लागू होयो केद्। कम से कम ओना तारीख् तक, ब्रिटिश क्षेत्र रेन सोबे बासिन्दा कानूनी रूप ते ब्रिटिश प्रजा को थाहेना। तेहेन् लागीत्, ओना संविधान भितर् रे जेनोक् किछु थाहेना ओना स्वाभाविक रूप ते ब्रिटिश बादशाहोक् इच्छा ते अधीन थाहेना। ओना गे संविधान ए धरती रा सर्वोच्च कानून बनाओ केद्, आर जोदि चाहीय खानोक्, ओना ए देसोम् रेन स्वतन्त्र नागरिक को ते एकटाक् नोवा ते को बाङ बदलाओ दाड़ेयाक् आ। ओनाक् कारण

काना कि संविधान बदलाओक् कोनो चेष्टा सुप्रीम कोर्ट ते एकटाक् फैसला ते रोक् होयोक् आ जो ओनाक् "बुनियादी विशेषता" रे संशोधन को मना काना। आर आबोन बाङ बुन् हिड़िञ् चाहीय कि सुप्रीम कोर्ट खुद ओना गे संविधानोक् एकटाक् धारा ते बणाओ होयो केद्।

ओनाक् मतलब् काना कि साबेक् औपनिवेशिक मालिक को आबोन आपनार ते केमेका ते शासन चालाओक् लागीत् सटीक तन्त्र को बोलोग केद्। ए हकीकत् ते देखाओक् काते, आबोनोक् स्वतन्त्रता किते थाहेना? ओना साफ देखाओक् लागीत्, एटाक् उदाहरण ते विचार चालाओक्: एकटाक् जमीन बिक्री कल्पना चालाओक् जेखान विक्रेता बोलोग आ कि उनी, आपनार "उपकार" ते, ओना जमीन रे एकटाक् कुड़ी बणाओक् ए, आर खरीदार, खरीद् ना बाद, ओना कुड़ी रे थाहेन् लागीत् बाध्य काना। खरीदार जोदि जरुरत थाहेना तोबे कुड़ी मरामत् दाड़ेयाक् ए, दाड़ेयाक् खानोक् उनी ओना तोड़ेक् ते सख्त मना काना—ओनाक् मतलब् काना, ओनाक् "बुनियादी विशेषता" बदलाओक्—आर, बोलोग चाहीय, एकटाक् कंक्रीट घर बणाओक्। जोदि ए शर्त बिक्री पूराओक् ना बाद ओ थाहेना, तोबे, कानूनोक् नजर रे, बिक्री रद्द काना, जेलेका विक्रेताक् जमीन ते नियन्त्रण पूरा रूप ते बाङ खतम होयोक् केद्।

आबोन मान् चालाओक् कि ओना उथल-पुथल समये जोखन ए उपमहाद्वीप बोहोत बोड़ोक् हलचल ते गुज़र होयोक् कान थाहेना, ओना लेखा शर्त मानोक् संकट ते निटाह् लागीत् सिरिफ् एकटाक् रास्ता लेखा देखाओक् होयोक् आ। दाड़ेयाक् खानोक्, ओना स्थिति रे, संविधान रे एकटाक् धारा शामिल थाहेना जरुरी थाहेना जो स्पष्ट रूप ते बोलोग आ कि, "स्वतन्त्रता" ना बाद, संसद लागीत् संविधान ते मंजूरी दोहोक् आर, जोदि जरुरत थाहेना, पुर्ना बदलाओक् लागीत् एकटाक् नोवा बणाओक् शक्ति थाहेना। जेलेका साफ देखाओक् आ, संविधान भितर् रे ओना लेखा कोनो मंजूरी धारा मौजूद बाङ काना। ओनाक् मतलब् काना कि एकटाक् संविधान जो "इंडिया" नुतुम ते

जानाजानाक् ब्रिटिश डोमिनियन लागीत् बणाओ केद्, आर ब्रिटिश बादशाह लागीत् उचित् थाहेना, ओना होड़ोक् को ते धरती रा सर्वोच्च कानून बोलोग ते थोपाओ केद्। ओना साडे सत्कार्योग्य स्वतन्त्रता सेनानी कोवाक् सपना ते बिल्कुल उल्टा थाहेना, जो भारत रेन होड़ोक् को ब्रिटिश राज् आर शोषण ते मुक्त होयोक् को चाही केद्। ए मुक्ति लागीत् बुनियादी जरुरत "कानून" बोलोग ते जानाजानाक् उत्पीड़ित ब्रिटिश ते बणाओ ज़ंजीर को तोड़ेक् थाहेना, जो ब्रिटिश प्रजा को लगातार अधीनता रे दोहोक् लागीत् बणाओ केद्।

15 अगस्त, 1947 ना बाद भी, आर 26 जनवरी, 1950 ना बाद भी, ब्रिटिश ते बणाओ बोहोत कानून ओना क्षेत्र रे लागू थाहेना जोखन "इंडिया" बोलोग ते जानाजानाक् आ। "संविधान" भितर् रेन् प्रावधान ते, ए ब्रिटिश ते बणाओ कानून को नोवा जीवन मिलो केद्, ठीक ओना लेखा रुकावट को बकरार दोहो काते जो सदियों ते होड़ोक् को अचल दोहो केद्। नतिजा स्वरूप, देसोम् लगातार बेदर्दी ते लुट् होयोक् कान, होड़ोक् को चालाकी ते ओना कानून ते को फाँसाओक् कान जो उनि मुश्किल ते को बुझ्ना। वर्तमान अनुमान बोलोग आ कि लगभग तीन करोड़ मामला हरेक् समये भारतीय अदालत रे लंबित थाहेना। कम से कम दस होड़ोक् हरेक् मामला ते सीधे या परोक्ष रूप ते प्रभावित होयोक् को मान् काते, ओनाक् मतलब् काना कि भारत रे लगभग तीन सौ करोड़ होड़ोक् लगातार कानूनी चिन्ता ते बोझिल गेया। ओना ते कोनो आश्चर्य बाङ काना, कि ओनाक् स्थिति सुधार बाङ होयोक् आ, "समावेशी विकास" बोलोग ते लगातार बोलोग ते भी जो आबोन हरेक् साल साञ्जोम आ।

ओनाक् तथ्य कि आबोन अक्खुन् तक साँच स्वतन्त्रता बाङ बुन् प्राप्त केद्, आबोनोक् दिन-प्रतिदिन जीवन रे साफ देखाओक् आ। 15 अगस्त, 1947 ते पाहिले, ब्रिटिश राज् विरुद्ध अहिंसक आर हिंसक दोनो विरोध आम थाहेना, आर शाही पुलिस नियमित रूप ते स्वतन्त्रता सेनानी कोवाक् बेदर्दी ते जुल्म को होयो केद्। ओना

समये ओना बुझ्ना होयोक् आ, जेलेका पुलिस, क्राउन रेन सेवोक् बोलोग ते, शासक कोवाक् हित् रक्षा लागीत् बेदर्दी ते काम चालाओक् लागीत् बाध्य को थाहेना। दाड़ेयाक् खानोक्, ओना बोहोत परेशान् करेक् कथा काना कि ओना लेखा पुलिस अत्याचार भारत् कथित रूप ते राजनैतिक स्वतन्त्र होयोक् ना बाद भी प्रचलित थाहेना। जोदि ए स्वतन्त्रता असली काना, तोबे पुलिस अक्खुन् ओकोय कोवाक् हित् रक्षा को चालाओक् कान? जोदि लोकतन्त्र साँच रूप ते होड़ोक् को धरती रेन मालिक बणाओ केद्, तोबे ओना गे होड़ोक् विरोध कियु को चालाओक् कान? जोदि, जेलेका एकटाक् लोकतन्त्र रे, आबोन कानून बणाओक् को कान, जे कानून आबोन बणाओ केद् ओना तोड़ेक् लागीत् आबोन कियु बाध्य को करेक् आ? समये आवी केद् ए सवाल को सीधे साम्ना करेक् लागीत्, आर आबोन—ए धरती रेन होड़ोक्, आबोन सोबे, सिरिफ् मान्मि बोलोग ते—आपन ते ओना करेक् चाहीय।

ए सन्दर्भ रे, आबोन "देसोम्" शब्दोक् असल मतलब ते जाँच चालाओक् चाहीय। मान्मि को ते बसोक् एकटाक् क्षेत्र ओना आबोन "देसोम्" बोलोग आ। मान्मि बिना, एकटाक् देसोम् थाहेनाक् बाङ दाड़ेयाक् आ। उदाहरण लागीत्, ओनाक् विशाल विस्तार बाऊजुद्, चन्द्रमा एकटाक् देसोम् बाङ काना कारण ओना बेआबाद काना। ओना "मान्मि" आर "देसोम्" भितर् रेन् गहिरा सम्बन्ध देखाओक् आ। तार्किक रूप ते, तोबे, एकटाक् देसोम् रा विकास ओनाक् होड़ोक् कोवाक् तरक्की देखाओक् चाहीय, जेलेका एकटाक् देसोम् उनि को पछे दोहो काते आगे बाङ बड़ दाड़ेयाक् आ जो उनि बणाओक् को कान। ओना अक्सर बोलोग होयोक् आ कि ए देसोम् रेन बहुसंख्यक होड़ोक् तरक्की रेन् किछु बनावटी पैमाना ते "पछे" गेया। ओना एकटाक् जानबूझ के गलत ब्याख्या काना। ए बणावटी भेदभाव जारी दोहोक् लागीत्, बहुसंख्यक को जानबूझ के नुकसानोक् स्थिति रे दोहोक् को होयोक् आ। समाजोक् शुरू ते गे, भेदभावोक् बीज सावधानी ते बोहोत् केद् ताकि कुछ विशेषाधिकार प्राप्त कुछ मेहनत करेक् होड़ोक् कोवाक् मेहनत रा लाभ को लाओ दाड़ेयाक्।

जोदि जे होड़ोक् कोवाक् मेहनत अनिवार्य काना उनि एकटाक् जुट् समूहोक् रूप ते एकजूट होयोक् खान, विशेषाधिकार प्राप्त कुछ अब समाजोक् बोड़ोक् बहुसंख्यक ते आपनार प्रभुत्व बकरार बाङ दोहो दाड़ेयाक् आ। तेहेन् लागीत्, आबादिक भितर् रे भेदभाव बड़ाय काते, उनि को खण्डित, कमजोर व्यक्ति रे को घटाओ केद्। तेहेन् लागीत्, उनि सदियों ते को सहो केद् दुख् ते सवाल करेक् ते मुश्किल ते को हिम्मत करेक् आ। ए पैटर्न् जारी थाहेना जोखन तक कुछ गहिरा जड़ वाला, परम्परागत विचार को बड़ोक् रूप ते बाङ बदलाओक्—आर ए बदलाव लागु करेक् शक्ति होड़ोक् को लागीत् खुद थाहेना। देसोम् बदलाओक् लागीत्, पाहिले आपन ते बदलाओक् चाहीय, जो स्वतन्त्र विचार लागीत् क्षमता जरुरी करेक् आ। दाड़ेयाक् खानोक् मान्मि बिना, देसोम् रा विचार खुद बेमतलब काना। तेहेन् लागीत्, एकटाक् देसोम् भितर् रे कोनो मान्मि काम लागीत्, होड़ोक् खुद जिम्मेवार थाहेना। जेलेका "आबोन" "आमि" रा बहुवचन काना, आमि, असल रे, देसोम् काना। आमि ओना सीधे बणाओ केद्। आमि बिना, कोनो देसोम् बाङ थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ!

कोयो पुछ् दाड़ेयाक् आ, "ए लेखा देखाओक् कान छोटा विचार साँच रूप ते देसोम् रा वर्तमान स्थिति सुधार दाड़ेयाक् आ?" जवाब् एकटाक् जोर ते हाँ काना कारण "आमि" रे बदलाव लाज़मी रूप ते देसोम् रे बदलाव देखाओक् आ। ओना ना बाद भी, कोयो विरोध करेक् दाड़ेयाक् आ, "जोदि ए विचार बोहोत शक्तिशालि काना, तोबे होड़ोक् कोवाक् दुख् बोहोत पाहिले खतम होयोक् होयोक् थाहेना। ओनाक् अलावा, देसोम् बोहोत तरक्की केद्, अन्तरिक्ष तकनीक रे भी शानदार तरक्की होयो केद्। तोबो आप्नोक् तर्क अनुसार, ओनाक् मतलब् होड़ोक् कोवाक् जीवन स्थिति रे एकटाक् बोड़ोक् सुधार होयोक् चाहीय।" जवाब् रे, आबोन मान् चालाओक् चाहीय कि ए तरक्की रा लाभ सिरिफ् आबादिक रा एकटाक् छोटा हिस्सा ते को लाओक् आ, जोखन कि बोड़ोक् बहुसंख्यक बाहरे थाहेना। भुखमरी, कुपोषण, आर सुसाइड् अक्खुन् तक बहुसंख्यक भितर् रे आम

काना। ए असमानताक् मूल कारण सिरिफ् ओना काना कि "आमि देसोम् काना" रा विचार अक्खुन् तक समाज रे बाङ फैलाओक् केद्।

ओना गे चेतनाक् कमी काना जो देसोम् रा खराब स्थिति बदलाओक् ते रोक् करेक् आ। जोदि होड़ोक् ए अहसास ते को जाग जाओक् खान, तोबे ओना निस्सन्देह बेदर्दी शोषण ते बणाओ एकटाक् सामाजिक प्रणाली रे बोड़ोक् उथल-पुथल पैदा करेक् आ। ओना लेखा परिदृश्य रोक् लागीत्, कुछ शोषक जानबूझ के ए विचार ते काल्पनिक बोलोग ते को खारिज करेक् आ। उनि को डर को कि उनि कोवाक् पूरा भ्रष्ट इमारत ताश रा घर लेखा ढेह जाओक् आ जोदि होड़ोक् समाज रे आपनार असल स्थिति को पहचाण् लाओक् खान। दाड़ेयाक् खानोक् सच काना कि ए विचार सिरिफ् काल्पनिक बाङ काना, बल्कि ए कथिथ सभ्य प्रणाली ते तोड़ेक् लागीत् एकटाक् बोहोत सरल तरीका भी काना। ए साफ रास्ता लुकाओक् लागीत्, शुरू ते गे बोहोत होड़ोक् को अज्ञानता आर गरीबी रेन् अन्धेरा रे दोहोक् लागीत् प्रयास होयो केद्। अक्खुन् बाहरे निटाह् रा रास्ता लाओक् रा समये आवी केद्, आर आबोन सोबे ए लक्ष्य ते प्रयास करेक् चाहीय, कारण आबोन ए देसोम् रा असल रूप काना!

ए देसोम् रा स्थिति बुझ्ना लागीत् जटिल सिद्धान्त ते सहारा लाओक् बिना, आबोन एकटाक् बोड़ोक् घर रा उदाहरण ते व्यवहार करेक्, जहाँ एकटाक् जीवन्त जश्न होयोक् कान थाहेना। रात काना, घर चम्किलो ते रोशन काना, आर मेहमान आनन्द को लाओक् कान थाहेना। अचानक, बुरा इरादा ते, कोयो मुख्य बिजली आपूर्ति बन्द करेक् आ। पूरा घर अन्धेरा रे डुब् जाओक् आ, आर तुरन्त गड़बड़ी शुरू होयोक् आ। होड़ोक् डर जाओक् को आर भाग्नेक् को कोशिश करेक् आ, दाड़ेयाक् खानोक् अन्धेरा उनि को रोक् करेक् आ, जो उथल-पुथल आर घबराहट ते लाओक् आ। उनि एक दूसरे ते को ठोकराओक् आ, फर्नीचर पलट जाओक् आ, आर आम अव्यवस्था फैल जाओक् आ। तोबे सवाल बणाओक् आ: आबोन ए देखाओक् कान अनन्त गड़बड़ी ते किचेक् ते बुन् भाग् आ?

बिजली ते अजान होड़ोक् लागीत्, ए गड़बड़ी निटाह् बोहोत मुश्किल देखाओक् दाड़ेयाक् आ। कोयो ओना स्थिति ते नकारात्मक मान्मि गुण लेखा जो मत्तलब आर स्वार्थ ते भी जोड़ दाड़ेयाक् आ। दाड़ेयाक् खानोक् समाधान बोहोत सरल काना: कोनो सिरिफ् मुख्य बिजली स्विच वापस "चालू" करेक् जरुरी काना। सिरिफ् रोशिनि रा वापसी तुरन्त अन्धेरा ते होयो गड़बड़ी दूर करेक् आ। ओना लेखा, ए विशाल धरती रेन् सोबे समस्या कोवाक् मूल कारण आबोनोक् मन भितर् रेन् अज्ञान रा अन्धेरा रे लुकाओक् काना। जोखन तक ए अज्ञान खत्म बाङ होयोक् आ, ए समस्या को अनिश्चित काल तक जारी थाहेना, आर आबोन अन्धेरा रे एक दूसरे ते दुश्मन लेखा को लाड़ाई थाहेना, एक दूसरे ते दोस्त् बोलोग ते पह्चाण् बाङ दाड़ेयाक् आ। दाड़ेयाक् खानोक् आबोन बुझ् चाहीय: कोनो जानबूझ के रोशिनि बन्द बाङ केद्। मान्मि सभ्यताक् इतिहास रे, पूरी जागरूकता रा रोशिनि कदेओ साँच रूप ते चालू बाङ होयो केद्। ए कारण ते दुनिया रेन् बोहोत होड़ोक् स्वतन्त्र विचार ते वञ्चित् थाहेना। दाड़ेयाक् खानोक् आबोन ए देखाओक् कान असम्भव काम ते आपन ते समर्पित करेक् लागीत् दृढ़ काना आपनार असल भीतरी शक्ति ते जानकार होयोक् लागीत्। आर ए लागीत् समये अक्खुन् काना।

शुरू करेक् लागीत्, आबोन ए देसोम् रा नाम ते विचार चालाओक्। प्राचीन काल ते, ओना "भारतवर्ष" बोलोग ते जानाजानाक् थाहेना। एकटाक् सभ्यता सिन्धु नदि रा किनार ते पनपाओ केद्, जो, विदेशी भासा रे, सिन्धु घाटी सभ्यता बोलोग ते जानाजानाक् होयो केद्। दाड़ेयाक् खानोक् ए सभ्यता रा उदय ते पाहिले भी, ए धरती रा दक्षिणी हिस्सा रे एकटाक् बोहोत उन्नत सभ्यता पाहिले ते गे थाहेना, जेलेका महाकाव्य रामायण रेन् वर्णन ते प्रमाणित काना। फिर भी, विदेशी हमलावर, आपनार मकसद लागीत्, "सिन्धु घाटी सभ्यता" शब्द बणाओ केद् पूरा धरती ते शामिल करेक् लागीत् आर देसोम् "इंडिया" नाम दोहो केद्। अजीब कथा काना, "स्वतन्त्रता" ना बाद भी, ए महान प्राचीन धरती अक्खुन् तक आधिकारिक रूप ते "इंडिया" बोलोग ते जानाजानाक् आ। जोखन व्यक्ति कोवाक् कुछ

समये एक ते बेसी नाम थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ, एकटाक् धरती रा दो आधिकारिक नाम किचेक् ते थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ: "इंडिया" आर "भारत"?

आबोनोक् गहिरा जड़ वाला अधीनताक् एकटाक् साफ उदाहरण खुद संविधान भितर् रे मिलोक् आ, जेखान देसोम् "इंडिया, जो भारत काना" बोलोग ते नाम दोहो केद्। ओना बोलोग करेक् काना कि वाक्यांश "भारत, जो इंडिया काना" बाङ काना। "इंडिया" नाम ते प्राथमिकता मिलोक् आ, सम्भवतः साडे साबेक् ब्रिटिश शासक कोवाक् सुविधा लागीत्। जोखन आबोन आपन ते साँच रूप ते स्वतन्त्र बोलोग ते घोषणा करेक् आ, आबोन "इंडिया" ते खारिज काते, "भारत" ते आप्नोक् देसोम् रा एको नाम बोलोग ते अपनाओक् चाहीय। बोहोत "महाभारत" को अध्ययन केद्, दाड़ेयाक् खानोक् कोनो "महाइंडिया" बोलोग ते जानाजानाक् किछु बाङ साञ्जोम केद्। आबोन आप्नोक् भारत ते "इंडिया" शब्द तें बाहर काड़् चाहीय, कारण ओना साडे बीतल गुलामियोक् एकटाक् निशान ते बेसी किछु बाङ काना।

कारण साँच जागरूकता रा मोमबत्ती कदेओ बाङ जलो केद्, होड़ोक् कदेओ साँच स्वतन्त्रताक् अनुभव बाङ को केद्। संगठित समाज रा शुरू ते गे, नियन्त्रण शक्ति "राजा" रा हाथ रे दोहो होयो केद्। उनि रा हुकुम कानून बणाओ केद्; उनि रा कथा अन्तिम थाहेना। दाड़ेयाक् खानोक् आबोन पहचाण् ते असफल थाहेना कि राजा रा "राजागिरी," सोबे कानून रा कथिथ स्रोत, खुद बुनियादी रूप ते गैर-कानूनी काना। आबोन दोहोराओक्: आबोन ए मामला सीधे साम्ना करेक्, जटिल या सुन्दर सिद्धान्त ते सहारा लाओक् बिना।

ओना देखाओक् लागीत्, आबोन प्रागैतिहासिक समये रे एकटाक् दिन कल्पना चालाओक्, मान्मि समाज बणाओक् ते पाहिले भी। एकटाक् छोटा नदि बोगोक् आ, आर ओनाक् किनार ते एकटाक् आम्ब गाछ खड़ा काना। एक होड़ोक् गाछ ते चड़ोक् कान, आम्ब

तोड़ोक् कान। एकटाक् छोटा दूरी ते, आर एक होड़ोक् मछ् को फड़ोक् कान। तोबे एकटाक् तिसरा होड़ोक् देखाओक् आ। कुछ समये लागीत् उनि को देखाओक् ना बाद, उनी गाछ रे थाहेनाक् होड़ोक् को चालाओक् आ आर पुछ् करेक् आ, "आप् कि तोड़ोक् कान, दोस्त्?" ओ होड़ोक् जवाब् करेक् आ, "फल। आप् एकटाक् आज्माओक् चाहीय?" ओ अजनबी एकटाक् पाक्का आम्ब लाओक् आ, ओना स्वादिष्ट पाओक् आ, "आम्ब-मान्मि" ते धन्यवाद करेक् आ, आर तोबे मछेरे को चालाओक् आ। ओना लेखा आदान-प्रदान ना बाद, उनि एकटाक् तोहफा बोलोग ते एकटाक् मछ् मिलोक् आ आर "मछ्-मान्मि" ते धन्यवाद करेक् आ।

अगले दिन, ओ अजनबी वापस आवीक् आ, ए समये एकटाक् दोस्त् सांव्। उनि पाहिले आम्ब तोड़ेक् वाला को चालाओक् को। नोवा आवीक् वाला भी आम्ब आज्माओक् चाहीय बोलोग ते साञ्जोम् काते, गाछ रे थाहेनाक् होड़ोक् और भी उत्साह ते आपनार फल सान्झे करेक् आ, ओना करेक् रे मान् महसूस करेक् काते। तोबे उनि मछेरे सांव् भी ओना गे प्रक्रिया दोहोराओक् को। ध्यान दोहोक् कि बिना कोनो मेहनत ते आम्ब आर मछ् खा काते, अजनबी मेहनत करेक् वाला ते लगभग दो गुना ऊर्जा को प्राप्त करेक् आ। मेहनत करेक् वाला लगभग आपनार आधा ऊर्जा गाछ ते चड़ोक् या मछ् फड़ेक् रे को खर्च करेक् आ, जोखन कि अजनबी कोनो खर्च बाङ करेक् आ। ए लेखा, धोखा ते, तिसरा व्यक्ति हौल-हौल दोस्रोक् कोवाक् मेहनत रा फल खा काते और शक्तिशालि बणाओक् आ। जेलेका उनि रा ताकत आर प्रभाव बड़ोक् आ, होड़ोक् उनि ते डर लाग् लाग् आ। जो कदेओ मुफ्त रे एकटाक् अहसान बोलोग ते मिलोक् थाहेना ओना समये ते लाज़मी "सुरक्षा पैसा" बणाओक् आ, अन्ततः उनि कानून बणाओक् वाला आर राजा बोलोग ते स्थापित करेक् आ। ए "कानून रा राज्" रा बहान् रे राजा रा होड़ोक् कोवाक् शोषण रा शुरू काना।

ए चालाक् व्यक्ति धोखा ते आपनार "राजागिरी" शुरू केद्—दोसरा कथा ते, गैर-कानूनी रूप ते। जो दान रा काम बोलोग ते शुरू होयो केद्, अच्छा इच्छा ते दोहो होयो केद्, ओना राजस्व, या टैक्स रा जबरदस्ती वसूली रे बदल होयो केद्। समये ते होड़ोक् ते ए टैक्स कोवाक् सुचारू वसूली सुनिश्चित करेक् लागीत् विभिन्न नीति को लागू होयो केद्। ओना लेखा एकटाक् सिस्टम, अक्खुन् लगभग धर्मग्रन्थ रा दर्जा ते बड़ाय होयो केद्, अर्थशास्त्र बोलोग ते जानाजानाक् आ। कारण "जोकर ताकत उनि रा अधिकार" प्रचलित सिद्धान्त काना, राजा कोनो गल्ती बाङ करेक् दाड़ेयाक् आ आर हमेशा बिना सवाल ते सही मान् होयोक् आ। जेलेका शासक रा हुकुम कानून काना, कानून पालन करेक् प्रजा राजा रा आज्ञा पालन करेक् लागीत् बाध्य को थाहेना।

होड़ोक् राजा रा प्रभुसत्ता खुशी ते बाङ को स्वीकार केद्; उनि को जबरदस्ती ताकत ते अधीनता लागीत् मजबूर होयो केद्। दाड़ेयाक् खानोक् राजा अच्छी तरह ते जानकार काना कि उनि रा अस्तित्व पूरी तरह ते आज्ञाकारी प्रजा रा उपस्थिति ते निर्भर करेक् आ। ओना तथ्य कि ए प्रजा बुझ ते असफल थाहेना कि उनि सोबे शक्ति रा असल स्रोत काना, कि उनि सोबे बराबर काना आर एको मान्मि परिवार ते सम्बन्धित काना, ए शोषणकारी प्रणाली रा शुरू ते गे उनि भितर् रे एकटाक् विभाजन पैदा केद्। धनी आर गरीब, पढ़े-लिखे आर अनपढ़, ऊँचा आर नीचा रा भेद ते अलावा, अणगिनत आर बनावटी श्रेणी को सावधानी ते बणाओ होयो केद्, विभिन्न धर्म, जाति, आदि रा काढ़ काढ़ केद्। ए लेखा, होड़ोक् अणगिनत समूह रे को बोंडो होयो केद्, विभाजन जो कदेओ मौजूद बाङ थाहेना आर प्रकृति रे कदेओ मौजूद बाङ होयोक् दाड़ेयाक् थाहेना। भोला प्रजा, बेमतलब आपसि लड़ाई रे व्यस्त थाहेना, राजा रा ए चालाक् चाल पह्चाण् ते असफल थाहेना। ए किचेक् ते राजशाही रा जाल पूरी तरह ते मान्मि समाज ते ग्रसित् केद्। ओनाक् प्रकाश रे, ओना पह्चाण्ना जरुरी काना कि "गरीब" शब्द एकटाक् गलत नाम काना। परम्परागत रूप ते, एक व्यक्ति "गरीब"

बोलोग ते जानाजानाक् आ जोदि उनि रोज् बुनियादी जीवन लागीत् संघर्ष करेक् आ—उदाहरण लागीत्, एकटाक् कोला खदान कर्मचारी। आपनार जीवन हरेक् दिन खतरा रे दोहो काते, उनि कोला काढ़ लागीत् खदान रे उतरीक् आ। कोला बिना, कि कोला-अधारित पावर प्लान्ट थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ? कि बोड़ोक् उद्योग जो कोला ते निर्भर करेक् आ उनि मौजूद थाहेनाक् दाड़ेयाक् आ? अन्ततः, ए अपार सम्पत्ति रा असल स्रोत ओना गे "गरीब" कर्मचारी काना। तोबे, आबोन ए लेखा विशाल सम्पत्ति रा सिरजन्हार "गरीब" बोलोग ते किचेक् ते हिम्मत करेक् दाड़ेयाक् आ?

आओ अक्खुन् "अनपढ़" शब्द ते विचार चालाओक्। आबोन, कथिथ "पढ़े-लिखे" होड़ोक्, एकटाक् किसान या एकटाक् मोची ते अनपढ़ बोलोग ते किचेक् ते बोल दाड़ेयाक् आ? आबोन कदेओ ए खयाल बाङ आवीक् आ कि आबोन, जो आप्नोक् शिक्षा ते घमण्ड करेक् आ, ओ काम बाङ करेक् दाड़ेयाक् जो एकटाक् किसान या मोची आसानी ते करेक् आ। तोबे कि आबोन, उनि कोवाक् हुनर रे भी अनपढ़ बाङ काना? उनि को अक्सर औपचारिक शिक्षा रा कमी रा कारण ओना काना कि उनि को ओना लेखा मौका ते वञ्चित् दोहो होयो केद्। ओना जानबूझ के कोयो रा लत तोड़ेक् आर तोबे उनि रा "बदकिस्मती" ते दया करेक् लेखा काना।

तोबे, तथाकथित “डेमोक्रेसी” राजाशाही ताड़ोम ते हेज एना। राजा आः दाड़े जांगाय ते, किछु होड़ सत्ता हताओ लागीद को षडयंत्र केदा। उनकु बुज्हाव केदा जे साँच दाड़े दो होड़ ठेन मेनःआ, ओनाते उनकु “डेमोस” (होड़) आड़ाः “डेमोक्रेसी” रे को बाहार केदा, जाहिर रेयाः विचार सोदोरोः लागीद जे होड़ सोझो दीसोम आः कामी को चालाओया। मेनखान, साँच कथा दो नोवा कानः जे “डेमोक्रेसी” दो राजाशाही आः गे मिद एटाः रूप कानः। भेगार दो नोवा गे मेनःआ जे मिद राजा बोदोल ते, जेलेका राजाशाही रे, “डेमोक्रेसी” रे आड़ीगान “मंत्री” को ताहैंना।

जेलेका दास बंधन दोहो लागीद राजा आः अधिकार दोहो लागीद लाक्तीयोः ताहें कानः, ओन्का गे नोन्कान तथाकथित डेमोक्रेसी रेहोँ, राजाशाही ओक्तो रेयाः जोतो आन को दोहो आकानः होड़ कोवाः लूटपाट बांग थिरुः लागीद। ओनाते, होड़ कोवाः धन एमोः रेयाः कामी दो बांग बोदोलोःआ, जेलेका राजाशाही ओक्तो रे ताहें कानः। ओनाते, जाहाँ को मेना जे "आबो जोतो राजा कानबो" डेमोक्रेसी रे, नोवा दो सुमूं ओनोड़हँ कानः, साँच रे बेस बांनुःआ। "डेमोक्रेसी" रे, को मेना जे होड़ कोवाः रिप्रेजेंटेटिव को दीसोम कामी को "दिशा" एमा, मेनखान कामी रे, राजनैतिक पार्टी को बाछाव आकाद किछु होड़ गे दीसोम को "शासन" एदा। नोवा दो बांग भुल कानः जे आबो नितोः हों "शासन पार्टी" आड़ाः बो बाहारा। चेद लेका "फुरगाल" ञाम तायोम "शासक" को ताहें दारेयाःआ, से नोन्का गे "गवर्नमेंट" आड़ाः रेयाः माने "डेमोक्रेसी" रे चेद कानः, ओकोय हों बाको कुलीया।

नोवा दीसोम रे इलेक्शन दो Representation of the People Act, १९५१ लेकाते हुयुःआ, मेनखान जाहाँय को नोवा इलेक्शन रे "कंटेस्ट" एदा उनकु दो होड़ कोवाः साँच रिप्रेजेंटेटिव दो बांग कानः को। आड़ीगान केस रे, उनकु दो मिद से एटाः राजनैतिक पार्टी को कंट्रोल एद कोवा। ओनाते, उनकुवाः मुड़ दायित्व दो उनकुवाः पार्टी साओ मेनःआ, होड़ साओ दो बांग। नोवा दो लाक्तीयोः कानः जे जोतो इलेक्शन कैंडिडेट गे दीसोम रेन होड़ कोवाः नापाय को माड़ांग एमा। नोवा हों लाक्तीयोः कानः जे राजनैतिक पार्टी कोवाः नोवा कामी पुराओ लागीद साफ प्लान ताहेंना। जुदि नोवा साँच कोग-आ, चेदाः नोन्का आड़ी जोर कम्पटीशन "जितकार" लागीद हुयुःआ? मिद सादा उदाहरण बिचार मे: जुदि आड़ीगान होड़ ओड़ाः रोंग रेयाः बेस रोंग बाबोत को गालमारावा, मिद होड़ पुंड रोंग, एटाः होड़ गुलाबी रोंग, आर तेसर ग्रे रोंग को मेंया। मेनखान, उनकु जोतो गे ओड़ाः सोभोय जोतोः रेयाः साजाव उद्देश्य को साझाओया। जुदि उनकु बैरी बांग कानः को, चेदाः नोवा लेका सहयोग भावना राजनीति रे बांनुःआ? नोवा दो ओनाते बांग हुयुःआ जे परस्पर

दुश्मनी दोहो दो लूटपाट स्थिति जारी दोहो लागीद जरूरी कानः। ओनाते, नोवा साफ कानः जे राज्य व्यवस्था रे बुनियादी बोदोल बिना, साँच प्रगति आर होड़ कोवाः स्थिति रे सुधार असम्भव कानः। नोवा बोदोल पुराओ लागीद, आबो दो माड़ांग रे आबोवाः कमजोरी रेयाः स्रोत को दो मेट कातेगे लाक्तीयोःआ।

आबो प्रायः बो बिचारःआ जे चेद लेका मिद एकाकी होड़ गोटा सिस्टम आः जड़ता बोदोले दारेयाःआ। माड़ांग रे, आबो दो नोवा बाबो बुज्हावा जे दीसोम आः वर्तमान स्थिति दो आबोवाः सामूहिक निष्क्रियता आः सोझो परिणाम कानः। नोवा जड़ता दो निश्चित रूप ते जोखन आबो कामी बो शुरूआ ओखन खत्मोग-आ। दोसोर, आं एकाकी बांग कानःआ। मिद अरब तीन सो मिलियन “आं” एक साथे नोवो दिन आः “भारत” बनाओया। प्रत्येक “आं” दो एटाः को साओ गाढ़ा रूप ते जुड़ाव आकानः, जेलेका मानव शरीर बनाओयाद अनगिनत कोशिका को। जोखन शरीर घायलोग-आ, गोटा शरीर एक साथे प्रतिक्रिया एमा, आर खरबों कोशिका आक्रमण विरुद्ध रक्षा लागीद एक साथे कामीया। नोवा दो मिद कोशिका आः अपार ऊर्जा सोदोरोःआ जोखन एटाः कोशिका को साओ जुड़ावोग-आ। ओन्का गे, आबो प्रत्येक मिद अपार शक्ति आः विशाल भंडार कानबो, जाहाँ रेयाः आबो प्रायः अनजान कानबो।

जोखन नोवा धरती रेन जोतो होड़ बुझ्हाव को ञामा जे आबो जोतो मिद परिवार रेन सदस्य कानबो आर जे आबो एक दोसोर को पूराओया, ओखन आबोवाः सामूहिक चेतना जागृतोग-आ। जेलेका मिद आदर्श परिवार रे, भ्रष्टाचार लागीद जागा बांनुःआ, ओन्का गे, दीसोम रे भ्रष्टाचार ताहें रेयाः कारण बां ताहेंना। जेलेका मिद परिवार रेन जोतो सदस्य द्वारा समस्या साझाओग-आ, आबो हों दीसोम आः जोनोः भाग रे उनुगु समस्या हेजोःआ ओना साझाओया। ओकोय हों ओकोय ठेन हों बां रांगोग-आ। नोवा एक साथे होड़ कोवाः मन रेयाः जोतो घृणा, ईर्ष्या, से जलन रेयाः कारण को मेट काःआ।

ओना बाहेरो, जेहेतु मानव जाति आः जागा दुनिया रे सर्वोच्च मानाओग-आ, पैसा दो गौण स्थान रे ताहें लाक्तीयोःआ। मेनखान, विपरीत दो साँच कानः, ओनाते आबो सचेत रूप ते पैसा आः भूमिका दोबारा मूल्यांकन लाक्तीयोःआ। मानव जाति उपोर किछु हों बां ताहें लाक्तीयोःआ, पैसा हों बां। जेहेतु "डेमोक्रेसी" दो मिद भ्रामक नाम कानः, आवो नोवा आदर्श व्यवस्था के मिद नोवो नाम एमःआ। जेहेतु होड़ कोवाः अस्तित्व मिद दीसोम बनाओया, आबो बंगाली रे "गणसत्ता" आड़ाः बो बनाओ केदा नोवा सोदोरोः लागीद जे नोन्का राज्य रे, होड़ दीसोम आः प्रबंधन आः प्रत्येक पहलू रे सर्वोच्च भूमिका निभाओया।

तथाकथित "डेमोक्रेसी" रे, होड़ कोवाः भूमिका "वोटर" से "इलेक्टर" तक सीमितोग-आ, जोखन उनकु उपोर शासन रेयाः साँच दाड़े "बाछाव" आकाद रिप्रेजेंटेटिव ठेन ताहेंना। जोखन नोवा रिप्रेजेंटेटिव को "बाछाव" ओग-आ—जे कोनो उपाय ते, ठीक से या गलत से—उनकु सिस्टम उपोर पूरा कंट्रोल को हताओया, आर होड़ उनकुवाः दुर्भाग्य आः सुमूं थिर दर्शक को बनाओग-आ।

गणसत्ता हेठ रे, नोवा स्थिति पूरी तरह ते बोदोलोःआ। होड़ इलेक्शन तायोम हों उनकुवाः साँच दाड़े को बाहारा। उचित अधिकारी द्वारा इलेक्शन आन रे उचित संशोधन बनाओ लागीद कारण बनाओग-आ, नोवा सुनिश्चित काते जे मिद बाछाव आकाद रिप्रेजेंटेटिव सुमूं इलेक्टर कोवाः खुशी रे पद रे ताहेंना। नोवा आः मतलब कानः जे होड़ ठेन मिद बाछाव आकाद रिप्रेजेंटेटिव वापस बुलाओ रेयाः दाड़े ताहेंना जोखन उनकु नोवा जरूरी को बुज्हावा, प्रभावी रूप ते भ्रष्टाचार जड़ रे मेट काते। नोन्का वापस बुलाओ रेयाः सम्भावना हों पद रे ताहें कान को संदेश एमा काते स्थिति रे सुधार लागीद।

जोखन गणसत्ता मजबूत रूप ते स्थापितोग-आ, आबो प्रत्येक धीरे-धीरे बुज्हाव बो ञामा जे आबोवाः अस्तित्व पूरी तरह ते एटाः

कोवाः नापाय उपोर निर्भर कानः। आबो ओकोय हों उपोर से हेठ रे बांग कानबो; जोतो समान रूप ते महत्वपूर्ण कानः को। परिणाम स्वरूप, आबो माँझे कोनो दुश्मनी बां ताहेंना, जेलेका मानव शरीर रे खरबों कोशिका माँझे दुश्मनी बां ताहेंना। नोवा याद दोहो जरूरी कानः जे गोड़ा, दिमाग, आर शरीर आः जोतो एटाः भाग समान कोशिका ते बनाओ आकानः, उनकु समान रूप ते महत्वपूर्ण बनाओ काते। मेनखान, नोवा प्राकृतिक तालमेल मानव समाज रे मौजूद बांनुःआ। कारण सादा कानः: अनन्त काल से, होड़ को एकजुत हुयुः ते बचाओ लागीद, "राजा" द्वारा सतही लेबल आर वर्गीकरण द्वारा विभाजन कृत्रिम रूप ते बनाओ आकानः। नोवा कारण ते साँच मानव "एकता रे विविधता" आः भ्रामक, बहुरंगी नारा हेठ रे लुकाव ताहेंना। जोखन नोवा साँच मानव जागृतोग-आ आर कंट्रोल हताओया, गणसत्ता स्थापितोग-आ, आर गणसत्ता रे दुनिया आः भविष्य लुकाव कानः।

नोन्का सामाजिक व्यवस्था स्थापित लागीद, "मैं ही भारत" नाम आः मिद राजनैतिक पार्टी बनाओ आकानः। काहेकी आबो विश्वस्त कानबो जे नोवा धरती रेन जोतो होड़ मिद परिवार रेन कानः को, कोनो साँच बाधा बां ताहें दारेयाःआ, काहेकी आबो जोतो दीसोम आः समग्र प्रगति चाहाओया। कृपया आबो साओ जुड़ाव में, आर आबो एक साथे माड़ांग चालान बो। नोवा दीसोम आः भविष्य—जे आबोवाः भविष्य हों कानः—ठीक ओन्का ताहेंना जेलेका आबो बिचारःआ, काहेकी आबो बिना—आं बिना—भारत मौजूद बांनुःआ।

मैं ही भारत!

मै ही भारत दल रोआक् संविधान खोन् मिद् हटिंग्

अनुच्छेद २. उद्देश्य आरो लक्ष्य

मैं ही भारत दल रेनाक् मुख्य उद्देश्य आरो लक्ष्य होबोक् भारत रेन् सम्पूर्ण जनसमुदायक् मिद् जोटोक् दाङा परिवार रे जोटोक्। जोटोक् सदस्य होड़कोक् सिर्फ व्यक्तिगत् प्राकृतिक मनुष्य रूप ते हेच् ञामोग्, धर्म, जाति, रंग, लिंग, सामाजिक स्थिति, आदि सांगे जोड़ोक् बाहाय् बनाओ काटिच् तेकोक्, जेकोक् उनिकोक् हमेशा आपस् रे भाग कातेद् राखेद् कोवा, उनिकोक् नजरअंदाज कातेद् जोटोक् बात रे समान होबोक्।

दल दृढ़ता ते विश्वास राखेद् जे भारत रे बासा होड़कोक् दुःख रेनाक् मूल कारण होबोक् जे उनिकोक् अधिक संख्या रे निर्णय-लेने रेनाक् मुख्य प्रक्रिया खोन् हमेशा दूर राखेद् कोवा, जबकि सिर्फ मुट्ठी भर होड़ आपन इच्छा अनुसार देश रेनाक् मामला चलाओ कोवा, बाकी जनसमुदायक् बुद्धिमान मनुष्य रूप ते नय सिर्फ संख्या रूप ते नजरअंदाज कातेद्। जेसे दशक बीति गयोक् बिना कोनो भौतिक बदलाव पैदा कातेद्, इयॉक् ते यह उच्च समय होबोक् जे लोग खुद

सीधे स्थिति रेनाक् कमान लेने ताकि भारत हर क्षेत्र रे उत्कृष्ट होबोक्।

सिर्फ मनुष्य बासिन्दा रेनाक् उपस्थिति ते, एक क्षेत्र एक देश रे बदल होबोक्, इयॉक् ते इस देश रेनाक् हर व्यक्तिगत् बासिन्दा, वास्तव रे, भारत रे समान होबोक्। एसे एहसास सांगे जे ऊ खुद भारत होबोक्, हर व्यक्ति रे राष्ट्र-निर्माण रेनाक् पवित्र कार्य रे कृपा ते आगे आने रेनाक् अपार आत्मविश्वास पैदा कायेद्। इयॉक् ते, दल रेनाक् नाम "मैं ही भारत" होबोक्।

इस मुख्य विषय ते निर्देशित होबोक् कातेद्, दल निम्नलिखित कार्यवाई शुरू कायेद्:

एक स्वतंत्र व्यक्ति मनुष्य रेनाक् सर्वोच्च सम्मान देकातेद् आरो एहसास कातेद् जे उनिकोक् हर एक रेनाक् एक साझा विरासत होबोक् आरो इस धरती रेनाक् मालिक रेन् मिद् होबोक् बिना जेकर स्पष्ट आदेश कुछु नय इस देश रे चालोग्;

जे गरीबी, अशिक्षा, सामाजिक भेदभाव, आदि, जे सिर्फ घर्षण रेनाक् सामग्री होबोक् जे व्यक्ति रे व्यक्ति रे शत्रुता पैदा कायेद्, जानबूझ कातेद् बनाओ गयोक् उनिकोक् हमेशा शोषण रे लिए अधीन राखेद्;

जे एक व्यक्ति जेकरा गरीब रूप ते वर्णन कायेद् ऊ गरीब नय होबोक्, विपरीत रे, ऊ ही धन रेनाक् एकमात्र स्रोत होबोक्;

जे औपनिवेशिक शासन रे दौरान तथाकथित "कानून" रे नाम ते बनाओ गयोक् विषय रेनाक् दासता रेनाक् उपकरण अभी भी पूरे जोर ते आपन जोटोक् खून चूसने वाला तम्बू सांगे संचालन रे होबोक्, भले ही लोग स्वतंत्र कहेद् जावेद्; आरो

एहसास कातेद् जे कोनो भी मौजूदा व्यवस्था लोग रेनाक् आम इच्छा रे अधीन होबोक् चाही आरो प्रभुत्व रेनाक् साधन रूप ते कार्य नय कायेद्,

मैं ही भारत हर बात रे पूरी तरह ते सहायक होबोक् जे प्रचलित सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आरो कानूनी व्यवस्थाक् पूरी तरह ते बदल कायेद् भारत रेन् हर बासिन्दाक् कृपा ते आगे आने आरो शक्ति आरो आत्मविश्वास रेनाक् स्थिति खोन् देश रेनाक् मामला ध्यान राखेद् रे लिए आह्वान कातेद्।